
Shri Radha Ashtakam



श्रीराधाष्टकम्

Document Information



Text title : Shri Radha Ashtakam 4

File name : rAdhAShTakam4.itx

Category : devii, nimbArkAchArya, aShTaka, devI, radha

Location : doc_devii

Author : Amaraprasada BhattAcharya

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : January 7, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com


This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 7, 2023

sanskritdocuments.org



Shri Radha Ashtakam

श्रीराधाष्टकम्



कृष्णाराध्यां जगतसेव्यां जगद्गुरु जगतप्रसूम् ।
नमामि मातरं राधां कृष्णाराधनतत्पराम् ॥ १ ॥

कृष्णसुभप्रदात्रीञ्च कृष्णप्राणप्रियां शुभाम् ।
राधां कृष्णमयीं दिव्यां कृष्णलुटि स्थितां भेजे ॥ २ ॥

गोविन्दानन्दिनीं राधां गोविन्दमोहिनीं पराम् ।
गोविन्द लुट् वन्दे सर्वकान्तशिरोमणिम् ॥ ३ ॥

शरणागतसम्भर्त्रीमार्तत्राणपरायणाम् ।
ज्ञानभक्तिप्रदां देवीं राधां वन्दे जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

प्रेमस्वरोपिणीं श्यामां मलाभावमयीं पराम् ।
ज्ञानमयीं जगद्धात्रीं भजामि राधिकां सदा ॥ ५ ॥

ब्रजेश्वरीं सप्तोसेव्यां वृन्दावनविहारिणीम् ।
देवीं वृन्दावनेश्वरीं प्रपद्येऽहं सदानतः ॥ ६ ॥


सर्वसुखनरैर्गीतां मलादेवीं हरिप्रियाम् ।
कृष्णानुवृत्तसौगुण्यां श्रीराधिकामहं भजे ॥ ७ ॥

मातर्नमामि राधे ! त्वां करुणापूरितान्तराम् ।
प्रेमभक्तिप्रदानेन प्रपन्नं पाहि मां सदा ॥ ८ ॥


हरिः ॐ तत्सत् हरिः ॐ !

ॐ श्रीअमरप्रसादभट्टार्यायविरचितं श्रीराधाष्टकं समाप्तम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

——
Shri Radha Ashtakam

pdf was typeset on January 7, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

